केन्द्रीय विद्यालय संगठन

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

आकृति -7

त्रैमासिक द्विभाषी ई- पत्रिका (अक्टूबर से दिसंबर 2024)

kvszietmysore@gmail.com

Phone 0821 -2470345

संरक्षक/ Patron

सुश्री मीनाक्षी जैन/ Ms Menaxi Jain

उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

एवं

निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

संपादक

दिनेश कुमार

प्रशिक्षण सहयोगी भौतिकी

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

निदेशक की कलम से

संस्थान में होने वाली गतिविधियों को सभी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है त्रैमासिक पत्रिका आकृति। पत्रिका का सांतवाँ संस्करण आप सभी के सम्मुख प्रस्तुत है । पत्रिका का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना है ।राजभाषा के माध्यम से प्रकाशित यह पत्रिका नूतन विचार, दृष्टिकोणों की मौलिकता तथा रचनात्मक कौशल को नया आयाम प्रदान कर रही है। हिंदी सृजनात्मकता को प्रभावी बनाने की दिशा में यह एक सकारात्मक क़दम है । ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक- प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है । सतत व्यावसायिक विकास के लियें तथा कर्मचारी की दक्षता बढ़ाने में प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। प्रशिक्षण शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तनों से शिक्षकों का परिचय कराता है ।आप सभी के समक्ष विभिन्न प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं अन्य गतिविधियों का विवरण इस पत्रिका के माध्यम से सबके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए बड़ा हर्ष अनुभव हो रहा है। संस्थान के सभी कर्मचारियों का सतत प्रयास तथा सकारात्मक दृष्टिकोण प्रशंसनीय है।

शुभकामनाओं सहित।

मीनाक्षी जैन

निदेशक

सूचकांक

क्र सं	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	हिन्दी की विशेषताएँ	5
2	जांच बिंदुओं का निर्धारण	8
3	हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत	10
4	अक्टूबर से दिसंबर तिमाही बैठक का कार्यवृत	11
5	विज्ञान में दक्षता आधारित मूल्यांकन कार्यशाला चिंतनशील सत्र	13
6	21 वीं सदी कौशल विकास चिंतनशील सत्र	13
7	भौतिकी में दक्षता आधारित मूल्यांकन चिंतनशील सत्र	14
8	नव नियुक्त पी जी टी रसायन के लिए चिंतनशील सत्र	14
9	एन ई पी 2020 टी जी टी अंग्रेजी के लिया कार्यशाला	15
10	पी जी टी (अंग्रेजी)के लिए 3-दिवसीय कार्यशाला	16
11	21 वीं सदी कौशल विकास चिंतनशील सत्र	17
12	प्राचार्य /उपप्राचार्य बेंगलुरू संभाग के लिए 21 वीं सदी कौशल	18
13	प्राचार्य /उपप्राचार्य एरणाकुलम संभाग के लिए 21 वीं सदी कौशल	18
14	प्राचार्य /उपप्राचार्य हैदराबाद संभाग के लिए 21 वीं सदी कौशल	19
15	प्राचार्य /उपप्राचार्य चेन्नई संभाग के लिए 21 वीं सदी कौशल	20
16	21 वीं सदी कौशल विकास- एरणकुलम	21
17	21 वीं सदी कौशल विकास चिंतनशील सत्र- हैदराबाद	21
18	21 वीं सदी कौशल विकास चिंतनशील सत्र-बेंगलुरू	22
19	पी जी टी भूगोल के लिए चिंतनशील सत्र	22
20	उप प्राचार्य प्रवेषण के लिए चिंतनशील सत्र	23
21	पी जी टी गणित प्रवेषण के लिए चिंतनशील सत्र	24
22	गणित में दक्षता आधारित मूल्यांकन-कार्यशाला चिंतनशील सत्र	24
23	अर्थशास्त्र में योग्यता आधारित शिक्षा और परीक्षण वस्तुओं की तैयारी	26
24	3-Day workshop on CBA Science	26
25	3-Day workshop on CBA Physics	27
26	Reflective session on PGT(Chem) Induction Course	27
27	21st Century Skill for TGTs	28
28	5-Day workshop for TGT(Eng) as per NEP-2020	29
29	3-Day workshop for PGT(Eng) CBE/CBT	29
30	Reflective session on 3-Day workshop for PGT(Eng) CBE/CBT	30
31	Reflective session on 21st Century skills workshop Chennai region	30
32	21st Century skills workshop for Principals/VPs Bengalru	31
33	21st Century skills workshop for Principals/VPs Ernakulam	31
34	21st Century skills workshop for Principals/VPs Hyderabad	32
35	21st Century skills workshop for Principals/VPs Chennai	32
36	21st Century Skill Ernakulam	33
37	Reflection Session 21st Century skill Hyderabad	33
38	Reflection Session 21st Century skill Bengaluru	34
39	Reflection on CBA PGT (Geog)	34
40	Reflection on VP Induction Course	35
41	Reflection on PGT(Maths) Induction Course	35
42	Reflection on CBA in Maths	36
43	CBL in Economics with designing of test items for classes XI & XII	36

हिन्दी की विशेषताएँ

संसार की उन्नत भाषाओं में हिंदी सबसे अधिक व्यवस्थित भाषा एवं सरल भाषा , लचीली भाषा तथा विश्व भाषा बनने की पूर्ण अधिकारी, देवनागरी लिपि अत्यन्त वैज्ञानिक

संस्कृत शब्द संपदा एवं नवीन शब्द रचना सामर्थ्य विरासत में मिली है , देशी भाषाओं की शब्द संपदा ग्रहण की है। बोलने एवं समझने वाली जनता पचास करोड़ से भी अधिक है

हिन्दी का साहित्य सभी दृष्टियों से समृद्ध है।

संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।

संविधान के 26 जनवरी, 1950 को लागू होने के साथ ही हिंदी हमारी राजभाषा हो गयी।

प्रत्येक वर्ष हम 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के साथ-साथ हिंदी सप्ताह, हिंदी माह,हिंदी पखवाड़ा मनाते हैं।

समितियाँ

केन्द्रीय हिंदी समिति-

यह एक सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति है। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष होते हैं।

हिंदी सलाहकार समिति-

प्रत्येक मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति होती है। सम्बन्धित मंत्री इसके अध्यक्ष होते हैं।

संसदीय राजभाषा समिति

समिति में कुल 30 सदस्य होते है जिसमें 20 सदस्य लोकसभा से तथा 10 सदस्य राज्यसभा से होते है। इन सदस्यों का चयन लोकसभा अध्यक्ष तथा राज्यसभा के सभापति द्वारा मनोनीत किया जाता है

केन्द्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति-सचिव, राजभाषा विभाग इसके अध्यक्ष होते हैं।

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति-

प्रत्येक मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति होती है जिसके अध्यक्ष सामान्यत: संयुक्त सचिव या कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख होते हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-यह नगर स्तर की समिति होती है।

इकाई/विभागीय कार्यान्वयन समिति- प्रत्येक विभाग का प्रमुख का.स.का अध्यक्ष होता है और अधीनस्थ अधिकारी/ कर्मचारी अन्य पदाधिकारी इसके सदस्य होते हैं।

धारा 3 (3) के तहत निम्नलिखित दस्तावेज़ द्विभाषी यानी हिन्दी और अंग्रेजी में होना अनिवार्य है —

1.संकल्प (Resolution),

2.साधारण आदेश (General orders),

3.नियम (Rules),

4.अधिसूचना (Notifications),

5.प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन (Administrative and other reports),

6.प्रेस विज्ञप्ति (Press Communiques),

7.संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे गए प्रशासनिक तथा अन्य प्रतिवेदन (Administrative and other reports to be laid before Parliament),

8.राजकीय कागज-पत्र (Official papers),

9.संविदा (Contracts),

10.करार (Agreements),

11.अनुज्ञप्ति (Licence),

12.अनुज्ञापत्र (Permits),

13.सूचना (Notice)

14.निविदा-प्रारूप (Tender forms)

हिंदी भाषा के प्रयोग करने वालों की संख्या के आधार पर भारत वर्ष को राजभाषा नियम 1976 के तहत तीन क्षेत्रों यथा—

क क्षेत्र, ख क्षेत्र एवं ग क्षेत्र में बाँटा गया है।

क क्षेत्र में— पूर्णतः हिंदी भाषी प्रदेश (1) हरियाणा (2) उत्तराखंड (3) उत्तर प्रदेश, (4) मध्यप्रदेश (5) बिहार (6) झारखंड (7) छत्तीसगढ़ (8) दिल्ली (9) राजस्थान (10) अंडमान निकोबार (11) हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

ख क्षेत्र में— (1) गुजरात (2) पंजाब (3) चंडीगढ़ (4) महाराष्ट्र (5) दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं।

ग क्षेत्र में— 'क' और 'ख' क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए अन्य सभी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र

वार्षिक कार्यक्रम में इन क्षेत्रों में स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में हिंदी प्रयोग के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं।

राजभाषा के प्रति हमारा दायित्व

- हस्ताक्षर हिंदी में करेंगे
- सभी प्रकार के फॉर्म,आवेदन,रजिस्टर आदि में हिंदी का प्रयोग करेंगे
- कंप्यूटर पर यूनिकोड अपनाकर हिंदी का प्रसार बढाएंगे
- सभी रबर स्टँप,बोर्ड,विजिटिंग कार्ड,लेटर हेड हिंदी-अँग्रेजी में बनाएंगे
- हिंदी पत्रों का जवाब हिंदी में देंगे

जांच बिंदुओं का निर्धारण

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में जांच बिंदुओं का निर्धारण किया गया

1. राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 की अनुपालन में हिन्दी में प्राप्त हुए पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाने अनिवार्य है।
2. राजभाषा नियम 1976 के नियम 8(4) के तहत प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों को अपना कार्य हिन्दी में करने हेतु विनिर्दिष्ट करना।
3. अनुभाग अधिकारी / शाखा अधिकारी की यह जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए कि राजभाषा नियम 1976 के नियम 11 में उल्लिखित सभी वस्तुएं जैसे रजिस्टरों के प्ररूप व शीर्षक , नामपट्ट ,सूचनापट्ट , होर्डिंग्स निमंत्रण पत्र मोहरें आदि अनिवार्यतः द्विभाषी रूप में बनवाई जाए।
4. राजभाषा अधिनियम 1963 की धार 3(3) की अनुपालना में सामान्य आदेश, नोटिस ज्ञापन , परिपत्र, रिपोर्ट,संविदा आदि का द्विभाषी होना अनिवार्य है। जिसमे हिन्दी रूपांतर अंग्रेजी रूपांतर से ऊपर हो।
5. क तथा ख क्षेत्रों को भेजे जाने वाले पत्रों के लिफ़ाफों पर पते हिन्दी में लिखे जाने चाहिए। इसके लिए परेशान अनुभाग को जांच बिन्दु बनाया जा सकता है।
6. फॉर्म, कोड ,मैन्यूअल इत्यादि का द्विभाषी प्रकाशन होना चाहिए जिसके लिए संबंधित अनुभाग अधिकारी को जांच बिन्दु निर्धारित किया जाए।
7. कार्यालय के द्वारा प्रयुक्त सभी सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियाँ हिन्दी में की जाए। इसके लिए प्रविष्टि करने वाले कर्मी को जांच बिन्दु निर्धारित किया जाए।
8. विभागीय बैठकों /संगोष्ठियों के कार्यवृत हिन्दी या द्वैभाषी तैयार किए जाएँ।

9. विज्ञापन एवं प्रचार प्रसार पर होने वाले व्यय का काम से काम 50% हिन्दी में होना चाहिए।

10. सभी संबंधित आंतरिक लेखा परीक्षा टीम के प्रमुख को इसके लिए जांच बिन्दु बनाया जाए। वे यह सुनिश्चित करें कि आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान संबंधित कार्यालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण भी विस्तार से करें। साथ ही अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में राजभाषा के प्रयोग संबंधी टिप्पणी अवश्य दें तथा निरीक्षण रिपोर्ट द्विभाषी रूप में प्रस्तुत करें।

11. प्रत्येक तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की कम से कम एक बैठक का आयोजन अपेक्षित है इन बैठकों के कार्यवृतों का समुचित रिकार्ड रखा जाए। इन सभी बैठकों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के प्रत्येक मद पर चर्चा की जाए।

हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत

एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत्त

दिनांक 27.12 .2024

शिक्षा एवं प्रशिक्षण के आंचलिक संस्थान, मैसूर में 27.12 .2024 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त एवं निदेशक शि.प्र.आं.सं मैसूर की अध्यक्षता में तकनीकि कक्ष में हुआ ।

कार्यशाला का संचालन श्री दिनेश कुमार, प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी) ने किया।

- कार्यशाला का शुभारंभ श्री दिनेश कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ जिसमे कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। इसके बाद दिनेश कुमार ने कार्यशाला में होने वाली गतिविधियों के बारे में सभी को जानकारी दी।
- अपने सम्बोधन में निदेशक महोदय ने सबसे पहले 2023-24 के लिए क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार मिलने पर सभी सदस्यों को बधाई दी। हम सभी हर वर्ष पुरस्कार जीतें, इसके लिए हिन्दी में ज्यादा से ज्यादा कार्य करने के लिए सभी को प्रोत्साहित भी किया किया।
- इसके बाद श्री दिनेश कुमार ने भाषिणी पर सत्र लिया इसके बाद सभी ने अपने अपने मोबाईल पर भाषिणी एप डाउनलोड कर अभ्यास किया।
- कार्यशाला में सभी ने राजभाषा अधिनियम पर परिचर्चा कर अपने ज्ञान को तरोताजा किया।
- श्री डी श्रीनिवासुलू के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान मैसूर /KVS-ZIET-MYSORE

राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन समिति की दिनांक 27.12 .2024 को आयोजित 76वीं बैठक का कार्यवृत्त

शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर में अक्टूबर 2024 से दिसम्बर 2024 तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक, दिनांक 27.12.2024 को 10.30 बजे सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त एवं निदेशक शि.प्र.आं.सं मैसूर की अध्यक्षता में तकनीकी में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया :-

बैठक का संचालन श्री दिनेश कुमार ने किया। बैठक में की गई कारवाई तथा लिए गए निर्णयों का विवरण इस प्रकार है -

एजेंडा बिंदु 1 : स्वागत भाषण/Welcome Address.

श्री दिनेश कुमार ने अध्यक्ष की अनुमति से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं एवं निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर का स्वागत किया | तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। प्रथम क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार मिलनेपर श्री दिनेश कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। यह पुरस्कार सभी के प्रयासों का परिणाम है।

एजेंडा बिंदु No.2 : पिछली बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुति और समीक्षा/Submission of Minutes of previous quarterly meeting and review

कार्यसूची के अनुसार भौतिकी प्रशिक्षण सहयोगी ने पूर्व बैठक दिनांक 30.09.2024 की रिपोर्ट तथा के.वि.सं (मुख्य) द्वारा भेजी गई समीक्षा को सबके समक्ष प्रस्तुत किया और बताया कि समीक्षा में दिए गए निर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है | पिछली तिमाही में पत्राचार में आई कमी पर मुख्यालय से आए निर्देशों को सबके सामने रखा गया तथा नियमानुसार पत्राचार करने के लिए सभी को कहा गया।

एजेंडा बिंदु No.3 वर्तमान तिमाही प्रतिवेदन

अध्यक्ष की अनुमति के पश्चात श्री डी श्रीनिवासुलू ने वर्तमान तिमाही का प्रतिवेदन सबके समक्ष प्रस्तुत किया जिसमे वर्तमान तिमाही में हुए कार्यक्रमों के बारे में बताया गया।

एजेंडा बिंदु No.4 तिमाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर चर्चा / Discussion on the use of Official Language in the quarter

श्री दिनेश कुमार ने इस तिमाही की मूल पत्राचार स्थिति से सबको अवगत करवाया वर्तमान तिमाही में हिन्दी में

- क-क्षेत्र को 90.74%
- ख-क्षेत्र को 89.83%
- ग-क्षेत्र को 93.54%

पत्र हिन्दी में भेजे गए।

हिन्दी में 8 पत्र प्राप्त हुए। प्राप्त पत्रों के अनुसार कारवाई कर,पत्र फ़ाइल कर दिए गए

- किसी भी हिंदी पत्र का उत्तर अंग्रेजी में नहीं भेजा गया।
- इस तिमाही में 15 पृष्ठों में हिन्दी में और 13 पृष्ठ अंग्रेजी में फाइलों पर नोटिंग की गई |

- राजभाषा अधिनियम की धारा 3|3| के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ पर चर्चा हुई और यह बताया गया कि तिमाही *में 6 दस्तावेज़* द्विभाषी में जारी किए गए |

एजेंडा बिंदु No.5 मुख्यालय तथा नराकस आदि से प्राप्त दिशा निर्देशों की जानकारी

श्री दिनेश कुमार ने समय समय पर मुख्यालय तथा नराकस आदि से प्राप्त राजभाषा हिन्दी के प्रयोग से संबंधित दिशा निर्देशों को सभी सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुत किया और आग्रह किया कि सभी कर्मचारी इन पत्रों में दिए गए निर्देशों का पालन करें| जैसे पत्राचार के समय लिफ़ाफ़े पर हिन्दी में पता लिखना आदि।

एजेंडा बिंदु No.6 प्रशिक्षण/कार्यशालाओं में राजभाषा हिन्दी का प्रशिक्षण

वर्तमान तिमाही में संस्थान में आभासी माध्यम से आयोजित कार्यशालाओं में राजभाषा हिन्दी का प्रशिक्षण दिया गया जिसमे प्रशिक्षणार्थियों को राजकीय कार्य राजभाषा हिन्दी में करने का आग्रह किया गया।

एजेंडा बिंदु No.7 अध्यक्ष द्वारा मार्गदर्शन

अध्यक्ष, सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं एवं निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर ने बैठक को संबोधित किया | सबसे पहले महोदया ने प्रथम क्षेत्रीय पुरस्कार मिलने पर सभी को बधाई दी। फिर वर्तमान तिमाही में राजभाषा कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी पत्राचार करते समय राजभाषा नियमों का पालन करें जिससे पत्राचार नियमों के अनुसार हो।

लिए गए निर्णय :

- ईमेल पत्राचार भी द्विभाषी होना चाहिए।
- निम्न कर्मचारियों को जांच बिन्दु बनाया गया:
  - प्रशासनिक पत्राचार की देखरेख **श्री बरुन कुमार झा** प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक) **करेंगे।**| इसके अनुपालन में वे प्रतिसप्ताह पत्राचार के आंकड़ों का जायजा लेंगे और आगामी सप्ताह के लिए योजना निर्धारित करेंगे |
  - प्रशिक्षण संबंधी पत्राचार की देखरेख **श्री दिनेश कुमार** करेंगे। इसके अनुपालन में वे प्रतिसप्ताह पत्राचार के आंकड़ों का जायजा लेंगे और आगामी सप्ताह के लिए योजना निर्धारित करेंगे |
  - **श्री गोपाल कलसद** सहायक अनुभाग अधिकारी पत्रों के प्रेषण से पहले जांच करेंगे कि पत्रों का प्रेषण राजभाषा नियमानुसार हो रहा है। ईमेल से भेजे जा रहे पत्रों का भी ध्यान रखेंगे।
  - **श्री एस सनल कुमार** वरिष्ठ सचिवालय सहायक फ़ाइलों पर लिखी जाने वाली टिप्पणियों तथा कार्यालयों आदेशों की देखरेख करेंगे।

“विज्ञान में क्षमता आधारित परीक्षण प्रश्नों का निर्माण” कार्यशाला पर चिंतनशील सत्र

विज्ञान में क्षमता आधारित परीक्षण प्रश्नों का निर्माण विषय पर आयोजित कार्यशाला पर 03.10.2024 को आधे दिन का एक चिंतनशील सत्र आयोजित किया गया ताकि कार्यशाला के प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके। इस सत्र में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत की, कि कैसे कार्यशाला में सीखी गई बातें उनके शिक्षण शैली और मूल्यांकन तकनीकों को बेहतर बनाने में सहायक रहीं। सह पाठ्यक्रम निदेशक ने भी अपने अनुभवों को साझा किया तथा सभी प्रतिभागियों को छात्रों के विकास के लिए अनुभव आधारित तथा दक्षता आधारित शिक्षा प्रणाली पर बाल दिया । निदेशक महोदया ने भी हमें एनईपी 2020 में निर्धारित दृष्टि और मिशन को कक्षा के लेन-देन में लागू करने के अपने विचार और दिशा-निर्देशों से प्रेरित किया।

21 वीं सदी कौशल विकास

3-दिवसीय "21वीं सदी कौशल विकास" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एर्णाकुलम संभाग के विभिन्न विषयों के 42 प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य क्षमता संवर्धन, वर्तमान परिदृश्य की विकट समस्याओं का समाधान, जीवन मूल्यों का विकास, अपने कर्तव्यों का सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से निर्वहन, तथा शिक्षण-अधिगम के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करना था।

कार्यशाला में सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर, ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में मार्गदर्शन प्रदान किया। श्रीमती वी. के. सुधीना, प्राचार्य, केवी कायांकुलं, ने सह पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, श्रीमती ज्योति वी. एन., पीजीटी (अंग्रेजी), और श्रीमती आशा देवी, पीजीटी (भूगोल), ने सह-साधक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह कार्यशाला शिक्षकों के ज्ञान और कौशल को उन्नत करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई।

"भौतिकी में सक्षमता आधारित मूल्यांकन: परीक्षण वस्तुओं की डिजाइन" पर आयोजित कार्यशाला पर चिंतन सत्र

"भौतिकी में सक्षमता आधारित मूल्यांकन: परीक्षण वस्तुओं की डिजाइन" पर आयोजित कार्यशाला के प्रभावी कार्यान्वयन और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए 06.12.2024 को आधे दिन का चिंतन सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में चार फीडर क्षेत्रों से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी ने साझा किया कि कार्यशाला बताई गई बातों ने उनकी शिक्षण शैली और मूल्यांकन तकनीकों को कैसे बेहतर बनाया। निदेशक महोदया ने बताया कि क्षमता आधारित शिक्षा छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। छात्रों को विषय की जानकारी इस प्रकार दी जाए कि छात्र अपनी दिनचर्या से उनको जोड़कर अपने अनुभवों में उन्हे शामिल कर अपने स्थायी ज्ञान की वृद्धि कर सके। कक्षा में एनईपी 2020 के तहत निर्धारित दृष्टि और मिशन को लागू करने के लिए अपने विचार और मार्गदर्शन साझा किए।

नव-नियुक्त पीजीटी (रसायन विज्ञान) - एलडीसीई 10-दिवसीय प्रवेषण पाठ्यक्रम पर चिंतन सत्र

नव-नियुक्त पीजीटी (रसायन विज्ञान) - एलडीसीई के लिए आयोजित 10-दिवसीय प्रवेषण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए दिनांक 03.12.2024 को एक आधे दिन का चिंतन सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में 16 क्षेत्रों से कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी ने कार्यशाला में प्राप्त सीखने के माध्यम से अपनी शिक्षण शैली और मूल्यांकन तकनीकों में हुए सुधार पर अपने विचार साझा किए। प्रथम पूर्व परिषदीय परीक्षा के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण भी किया गया जिसमे छात्रों के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए उचित रणनीति भी तैयार की। निदेशक महोदया ने अपने संबोधन में छात्रों के प्रदर्शन में सुधार के लिए कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

"एनईपी 2020 और एनसीएफ-एसई के अनुसार टीजीटी (अंग्रेज़ी) के लिए अंग्रेज़ी शिक्षण और मूल्यांकन में नवाचारी शिक्षण रणनीतियों"

संस्थान द्वारा 18.11.2024 से 22.11.2024 तक **"एनईपी 2020 और एनसीएफ-एसई के अनुसार टीजीटी (अंग्रेज़ी) के लिए अंग्रेज़ी शिक्षण और मूल्यांकन में नवाचारी शिक्षण रणनीतियों"** पर पाँच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। इस पाठ्यक्रम में चार फ़ीडर क्षेत्रों से कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एनईपी 2020 के अंतर्गत निर्धारित प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों को समान महत्व दिया गया। इनमें शामिल थे:

- एनईपी 2020 और एनसीएफ पर गहन चर्चा,
- आनंददायक शिक्षण के लिए अनुभवात्मक शिक्षण,
- दक्षता आधारित पाठ योजना,
- सहयोगात्मक शिक्षण रणनीतियाँ,
- सीखने के परिणाम प्राप्त करने हेतु भाषा खेल,
- भाषा कक्षा में आईसीटी का एकीकरण,
- सीसीटी प्रश्न और एमसीक्यू बनाने के दिशा-निर्देश।

इस कार्यशाला का उद्देश्य अंग्रेज़ी शिक्षकों की व्यावसायिक उत्कृष्टता का विकास करना था।

कार्यक्रम को सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर; श्री मधुसूदनन एन., उप-प्राचार्य, पीएम श्री केवी क्र 2, नेवल बेस कोच्चि, एर्नाकुलम क्षेत्र (सह-कार्यक्रम निदेशक) ने नेतृत्व प्रदान किया। श्री एम. राजेंद्रन, प्रशिक्षण सहयोगी (अंग्रेज़ी), आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर (कार्यक्रम समन्वयक); श्रीमती उषा एम. के., टीजीटी (अंग्रेज़ी), पीएम श्री केवी मलप्पुरम, एर्नाकुलम क्षेत्र और श्रीमती जबीन अब्बास अली फ़ाज़िल, टीजीटी (अंग्रेज़ी), पीएम श्री के वि बोलारम, हैदराबाद क्षेत्र ने विषय विशेषज्ञ के रूप में इस कार्यशाला को एक समृद्ध शिक्षण अनुभव प्रदान किया।

"एनईपी 2020 के अनुसार परीक्षा आधारित/क्षमता आधारित पाठ्यक्रम संचरण (CBT/CBE/CBA)"

संस्थान द्वारा 20.08.2024 से 22.08.2024 तक **"एनईपी 2020 के अनुसार परीक्षा आधारित/क्षमता आधारित पाठ्यक्रम संचरण (CBT/CBE/CBA)"** पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला पीजीटी (अंग्रेज़ी) शिक्षकों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें चार फ़ीडर क्षेत्रों से कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एनईपी 2020 के अंतर्गत निर्धारित प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों को समान महत्व दिया गया। इनमें शामिल थे:

- एनईपी 2020 में उल्लिखित क्षमता आधारित शिक्षा (CBE) के सिद्धांत,
- क्षमता आधारित पाठ योजना (CB Lesson Planning),
- माध्यमिक कक्षाओं के लिए मूल्यांकन तकनीक,
- भाषा कक्षा और शिक्षण परिणामों के लिए क्षमता आधारित कार्यों का डिज़ाइन,
- भाषा शिक्षण में आईसीटी का एकीकरण,
- पारंपरिक शिक्षण बनाम क्षमता आधारित शिक्षण की तुलना।

इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता और शिक्षण कौशल को बढ़ावा देना था।

इस कार्यशाला को सफल बनाने में सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर; श्री विश्वनाथन के., उप-प्राचार्य, पीएम श्री केवी ओट्टापलम, एर्नाकुलम क्षेत्र (सह-कार्यक्रम निदेशक); श्री एम. राजेंद्रन, प्रशिक्षण सहयोगी (अंग्रेज़ी), आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर (कार्यक्रम समन्वयक); श्रीमती एलिजाबेथ के. फिलिप, पीजीटी (अंग्रेज़ी), पीएम श्री केवी हेब्बाल, बैंगलोर क्षेत्र; और श्रीमती गीतांजलि कुमार, पीजीटी (अंग्रेज़ी), पीएम श्री केवी नं. 1, कोझिकोड, एर्नाकुलम क्षेत्र ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

"एनईपी 2020 के अनुसार परीक्षा आधारित/क्षमता आधारित पाठ्यक्रम संचरण (CBT/CBE/CBA)"

12.11.2024 को संस्थान द्वारा **"एनईपी 2020 के अनुसार परीक्षा आधारित/क्षमता आधारित पाठ्यक्रम संचरण (CBT/CBE/CBA)"** पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला पर एक चिंतन सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में चार फ़ीडर क्षेत्रों से कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
इस सत्र में शिक्षक-प्रतिभागियों ने अपनी प्रमुख सीख और अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई विभिन्न विधियों और तकनीकों को अपनाकर उन्हें कैसे लागू किया, इस पर चर्चा की।

सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर, ने शिक्षकों को प्रभावी चिंतन करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। सत्र में श्री . विश्वनाथन के., उप-प्राचार्य, पीएम श्री केवी ओट्टापलम, एर्नाकुलम क्षेत्र (सह-कार्यक्रम निदेशक); श्री एम. राजेंद्रन, प्रशिक्षण सहयोगी (अंग्रेज़ी), आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर (कार्यक्रम समन्वयक); और श्रीमती गीताांजलि कुमार, पीजीटी (अंग्रेज़ी), पीएम श्री केवी नं. 1 कोझिकोड, एर्नाकुलम क्षेत्र (विषय विशेषज्ञ) भी उपस्थित थे। उन्होंने सत्र के दौरान अपने सुझाव और टिप्पणियाँ साझा कीं।

चेन्नई क्षेत्र के लिए 21वीं सदी के कौशल पर चिंतनशील सत्र

4 अक्टूबर 2024 को चेन्नई क्षेत्र के TGTs के लिए 21वीं सदी के कौशल पर एक ऑनलाइन चिंतनशील सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र सुबह 9:15 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1:00 बजे समाप्त हुआ, जिसमें चेन्नई क्षेत्र के कुल 172 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, 12 शिक्षक प्रस्तुतकर्ताओं ने 21वीं सदी के कौशल पर अपने विचार साझा किए। यह सत्र विशेष रूप से सम्माननीय था क्योंकि इसमें आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, विरुधुनगर के प्राचार्य और सह पाठ्यक्रम निदेशक श्री लक्ष्मीनारायण उपस्थित थे। इस सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में श्रीमती ज्योति (पीजीटी अंग्रेजी) और श्री जिनीश सेबस्टियन (पीजीटी अंग्रेजी) ने भी भाग लिया। उनके बहुमूल्य विचारों और विशेषज्ञता ने चर्चाओं को गहराई और प्रभावशीलता प्रदान की, जिससे यह सत्र प्रतिभागियों के लिए अत्यधिक प्रभावशाली और सराहनीय बना।

इस सत्र का संचालन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

बेंगलुरु क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला

10 अक्टूबर 2024 को बेंगलुरु क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए एक आधे दिन की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जो सुबह 9:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चली। इस कार्यक्रम में कुल 47 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में दो ज्ञानवर्धक सत्र शामिल थे:

1. **"शिक्षा में 21वीं सदी के कौशल को समझना"**, जिसे श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) ने प्रस्तुत किया।
2. **"21वीं सदी के कौशल और आधुनिक शिक्षण प्रथाओं के माध्यम से केंद्रीय विद्यालयों का परिवर्तन"**, जिसे श्रीमती हेमा के., सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु ने प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला को आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति ने और भी गौरवान्वित किया। सभी अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की, जिससे सत्र अत्यंत रोचक और प्रभावी बन गया।

इस सत्र का संचालन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

एर्नाकुलम क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला

29 अक्टूबर 2024 को एर्नाकुलम क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए एक आधे दिन की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जो दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक चली। इस कार्यक्रम में कुल 40 अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में दो ज्ञानवर्धक सत्र शामिल थे:

1. **"शिक्षा में 21वीं सदी के कौशल को समझना"**, जिसे श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) ने प्रस्तुत किया।
2. **"21वीं सदी के कौशल और आधुनिक शिक्षण प्रथाओं के माध्यम से केंद्रीय विद्यालयों का परिवर्तन"**, जिसे श्री आर.ए. पाटिल, सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, एर्नाकुलम ने प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला को आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति ने विशेष रूप से सम्मानित किया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में अत्यधिक मूल्य जोड़ा और सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

सत्र के दौरान सभी अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। उनकी उत्साही भागीदारी और विचारशील प्रश्नों ने कार्यशाला को अत्यंत रोचक और प्रभावशाली बना दिया।

इस सत्र का संचालन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

हैदराबाद क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला

5 नवंबर 2024 को हैदराबाद क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए एक आधे दिन की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जो दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक चली। इस कार्यक्रम में कुल 73 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में दो ज्ञानवर्धक सत्र शामिल थे:

1. **"शिक्षा में 21वीं सदी के कौशल को समझना"**, जिसे श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) ने प्रस्तुत किया।
2. **"21वीं सदी के कौशल और आधुनिक शिक्षण प्रथाओं के माध्यम से केंद्रीय विद्यालयों का परिवर्तन"**, जिसे श्रीमती कृष्णवेणी, सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति ने विशेष गरिमा प्रदान की। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को अत्यधिक मूल्यवान बनाया और सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सत्र के दौरान सभी अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी और विचारोत्तेजक प्रश्नों ने कार्यशाला को अत्यंत रोचक और प्रभावशाली बना दिया।

इस सत्र का संचालन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

चेन्नई क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला

6 नवंबर 2024 को हैदराबाद क्षेत्र के प्राचार्यों और उप-प्राचार्यों के लिए एक आधे दिन की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जो दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक चली। इस कार्यक्रम में कुल 50 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में दो ज्ञानवर्धक सत्र शामिल थे:

1. **"शिक्षा में 21वीं सदी के कौशल को समझना"**, जिसे श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) ने प्रस्तुत किया।
2. **"21वीं सदी के कौशल और आधुनिक शिक्षण प्रथाओं के माध्यम से केंद्रीय विद्यालयों का परिवर्तन"**, जिसे श्रीमती मिनी मुल्लथ, सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति से विशेष गरिमा प्राप्त हुई। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को अत्यधिक मूल्यवान बनाया और सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी।

सत्र के दौरान सभी अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। उनकी उत्साही भागीदारी और विचारोत्तेजक प्रश्नों ने कार्यशाला को अत्यंत रोचक और प्रभावशाली बना दिया।

इस सत्र का संचालन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

एर्नाकुलम क्षेत्र की 21वीं सदी के कौशल कार्यशाला

19 नवंबर 2024 से 21 नवंबर 2024 तक एर्नाकुलम क्षेत्र के तीसरे बैच के टीजीटी शिक्षकों के लिए 21वीं सदी के कौशल पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में कुल 45 शिक्षकों ने भाग लिया, जिन्हें सीखने के कौशल, साक्षरता कौशल और जीवन कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषयों से परिचित कराया गया। इस कार्यशाला का नेतृत्व आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने निदेशक के रूप में किया, जबकि श्रीमती वी.के. सुधीना, प्राचार्य, केवी एनटीपीसी कयामकुलम, सहायक कोर्स डायरेक्टर के रूप में कार्यरत रहीं। कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति (आरपी) थीं:

1. **श्रीमती ज्योति**, पीजीटी अंग्रेजी, केवी अडूर
2. **श्रीमती आशा देवी**, पीजीटी अंग्रेजी, केवी पत्तम

सभी सत्र बेहद समृद्ध और ज्ञानवर्धक रहे, जिसमें आरपी, अतिथि वक्ताओं और आंतरिक वक्ताओं ने बहुमूल्य विचार साझा किए। शिक्षकों ने सामग्री को अत्यंत प्रासंगिक और प्रभावशाली पाया, जिससे आधुनिक शिक्षा में आवश्यक कौशलों की उनकी समझ में वृद्धि हुई।

इस कार्यशाला का आयोजन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

हैदराबाद क्षेत्र के लिए 21वीं सदी के कौशल पर चिंतनशील सत्र

28 नवंबर 2024 को हैदराबाद क्षेत्र के मास्टर ट्रेनर्स के लिए 21वीं सदी के कौशल पर आधे दिन का चिंतनशील सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र सुबह 9:15 बजे शुरू होकर दोपहर 1:00 बजे तक चला। सत्र में 18 शिक्षक प्रस्तुतकर्ताओं ने अपनी अंतर्दृष्टि को अत्यंत रोचक और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला में कुल 176 शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रत्येक शिक्षक प्रस्तुतकर्ता अपने-अपने विद्यालयों से प्रासंगिक सामग्री लेकर आए, जिससे सत्र अधिक सार्थक और व्यावहारिक बन गया।

सत्र को आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, श्री हरिप्रसाद एन, प्राचार्य, केवी एनएफसी नगर, हैदराबाद और सहायक पाठ्यक्रम निदेशक, श्रीमती पद्मजा रत्नाकर (पीजीटी अंग्रेजी), और श्रीमती शेषा प्रसाद (उप-प्राचार्य) ने भी सत्र में भाग लिया और बहुमूल्य योगदान दिया।

प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और प्रस्तुतकर्ताओं के मूल्यवान योगदान ने सत्र को अत्यंत प्रभावशाली और 21वीं सदी के कौशल प्रशिक्षण के उद्देश्यों को दर्शाने वाला बना दिया।

इस सत्र का आयोजन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

बेंगलुरु क्षेत्र के लिए 21वीं सदी के कौशल पर चिंतनशील सत्र

12 दिसंबर 2024 को बेंगलुरु क्षेत्र के मास्टर ट्रेनर्स के लिए 21वीं सदी के कौशल पर एक आधे दिन का चिंतनशील सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र सुबह 9:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चला। सत्र में 12 शिक्षक प्रस्तुतकर्ताओं ने अपनी अंतर्दृष्टि को प्रभावशाली और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला में कुल 169 शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रत्येक शिक्षक प्रस्तुतकर्ता अपने-अपने विद्यालयों से प्रासंगिक सामग्री लेकर आए, जिससे सत्र अधिक व्यावहारिक और सार्थक बन गया।

सत्र को आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति से गौरवान्वित किया गया। इसके साथ ही, डॉ. रुबीना, प्राचार्य, केवी सीआरपीएफ येलहंका और सहायक पाठ्यक्रम निदेशक, ने भी भाग लिया। साथ ही, संसाधन व्यक्ति श्रीमती एलिजाबेथ (पीजीटी अंग्रेजी) और श्रीमती बीना मैथ्यू (पीजीटी अंग्रेजी) ने सत्र में सक्रिय योगदान दिया।

प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और प्रस्तुतकर्ताओं के बहुमूल्य योगदान ने सत्र को अत्यंत प्रभावशाली बनाया और यह 21वीं सदी के कौशल प्रशिक्षण के उद्देश्यों के अनुरूप रहा।

इस सत्र का आयोजन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

पीजीटी (भूगोल) के लिए चिंतनशील सत्र

22 दिसंबर 2024 को भूगोल के शिक्षकों (पीजीटी) के लिए **सीबीटी (Competency Based Test)** आइटम के साथ भूगोल शिक्षण में नवाचारी शिक्षण रणनीतियों पर आधे दिन का चिंतनशील सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में कुल 21 शिक्षकों ने उत्साह और उत्सुकता के साथ भाग लिया। प्रत्येक शिक्षक ने अपने कक्षा शिक्षण में अपनाई गई चिंतनशील प्रथाओं को प्रस्तुत किया, जिससे सत्र अत्यंत रोचक और उपयोगी बन गया। इस सत्र को आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति से गरिमा प्राप्त हुई। उन्होंने मुख्य भाषण के माध्यम से अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। इसके अतिरिक्त, श्री सुरेश जे. बाबू, प्राचार्य, केवी नंबर 2 त्रिची और सहायक पाठ्यक्रम निदेशक, ने भी सत्र में भाग लिया। साथ ही, संसाधन व्यक्ति **श्रीमती सुगुना राजेश्वरी (पीजीटी भूगोल)** और **श्रीमती आशा देवी (पीजीटी भूगोल)** ने अपनी विशेषज्ञता से प्रस्तुतियों को और समृद्ध बनाया।

सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और विशेषज्ञों के योगदान ने सत्र को गहन और प्रभावशाली बना दिया। इससे भूगोल शिक्षण में नवाचारी शिक्षण रणनीतियों की समझ और अधिक गहरी हुई।

इस सत्र का आयोजन और समन्वय श्री पी. सेल्वमणि, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) द्वारा किया गया।

आधे दिन का ऑनलाइन चिंतन सत्र: प्रारंभिक प्रशिक्षण, सामग्री समृद्धि और शैक्षणिक प्रशिक्षण

नव-नियुक्त उप-प्राचार्यों के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण, सामग्री समृद्धि और शैक्षणिक प्रशिक्षण पर एक आधे दिन का ऑनलाइन चिंतन सत्र 05 दिसंबर 2024 को संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों द्वारा विद्यालय गतिविधियों में इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना था।

कार्यक्रम की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने चिंतन सत्र आयोजित करने के मुख्य उद्देश्यों को स्पष्ट किया। इस सत्र में सह-निदेशक के रूप में केवी सीआरपीएफ येलहंका, बेंगलुरु की प्राचार्या श्रीमती रुबिना एम. आर. ने भूमिका निभाई। वहीं, केवी ओट्टापलम, एर्नाकुलम क्षेत्र के उप-प्राचार्य श्री विश्वनाथन के. और पेरूरकाडा, एर्नाकुलम क्षेत्र के उप-प्राचार्य श्री एलेक्स जोस ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में सहयोग किया। कार्यक्रम का समन्वयन गणित सहायक शिक्षक (टीए) श्री डी. श्रीनिवासुलु ने निदेशक के निर्देशानुसार किया। इस कार्यशाला में छह क्षेत्रों (बेंगलुरु, हैदराबाद, एर्नाकुलम, चेन्नई, देहरादून और वाराणसी) के कुल 44 प्रतिभागियों में से 41 ने भाग लिया।

उप-प्राचार्य ने अपने अनुभव साझा किए और प्रारंभिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान प्रस्तुत रणनीतियों और गतिविधियों के कार्यान्वयन पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने विद्यालय नेतृत्व की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए अपने एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा की।

यह सत्र प्रतिभागियों को उनकी भूमिकाओं पर विचार करने और उनके शिक्षण के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करने का अवसर प्रदान करता है। सत्र ने सहयोगात्मक नेतृत्व और विद्यालय की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सतत् व्यावसायिक विकास के महत्व को भी पुनः पुष्टि की।

आधे दिन का ऑनलाइन चिंतन सत्र की रिपोर्ट:
"पीजीटी (गणित)-एलडीसीईई 2024 का प्रारंभिक पाठ्यक्रम"
तिथि: 03.12.2024

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर द्वारा 03 दिसंबर 2024 को "पीजीटी (गणित)-एलडीसीईई 2024 के प्रारंभिक पाठ्यक्रम" पर आधे दिन का ऑनलाइन चिंतन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने चिंतन सत्र आयोजित करने के मुख्य उद्देश्यों को समझाया।

कार्यक्रम के सह-निदेशक के रूप में पीएम श्री केवी नं. 1 सीपीसीआरआई, कासरगोड, एर्नाकुलम क्षेत्र के प्राचार्य श्री के. पी. सुधाकरण ने भूमिका निभाई। संसाधन व्यक्तियों के रूप में पीएम श्री केवी अशोक नगर, चेन्नई क्षेत्र के पीजीटी (गणित) श्री एम. श्रीनिवासन और पीएम श्री केवी नं. 2 मंगलुरु, बेंगलुरु क्षेत्र के पीजीटी (गणित) श्री जसीर के. पी. ने योगदान दिया। कार्यक्रम का समन्वयन गणित सहायक शिक्षक (टीए) श्री डी. श्रीनिवासुलु ने निदेशक के निर्देशानुसार किया।

इस कार्यशाला में बेंगलुरु, चेन्नई, एर्नाकुलम, हैदराबाद, अहमदाबाद, मुंबई, जयपुर, पटना, और रायपुर क्षेत्रों के कुल 59 प्रतिभागियों में से 49 ने भाग लिया।

सत्र का मुख्य फोकस गणित प्रयोगशाला गतिविधियों के प्रभावी उपयोग, गणित प्रयोगशाला मैनुअल की समीक्षा और गतिविधियों की समझ को मापने के लिए वाइवा प्रश्नों को तलाशने पर था। प्रतिभागियों ने गणित प्रयोगशाला मैनुअल की गतिविधियों के संचालन के अपने अनुभव साझा किए।

आधे दिन का ऑनलाइन चिंतन सत्र की रिपोर्ट:
"गणित में दक्षता आधारित मूल्यांकन: टेस्ट आइटम्स का डिजाइन"
तिथि: 01.10.2024

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर द्वारा 01 अक्टूबर 2024 को "गणित में दक्षता आधारित मूल्यांकन: टेस्ट आइटम्स का डिजाइन" पर आधे दिन का ऑनलाइन चिंतन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने चिंतन सत्र के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के सह-निदेशक के रूप में पीएम श्री केवी, आईएनएस द्रोणाचार्य, एर्नाकुलम क्षेत्र के प्राचार्य श्री सिबी सेबस्टियन ने कार्यभार संभाला। संसाधन व्यक्तियों के रूप में केवी डीआरडीओ, बेंगलुरु क्षेत्र की टीजीटी (गणित) श्रीमती पी. एस. कविता और केवी गाचीबोवली, हैदराबाद क्षेत्र के टीजीटी (गणित) श्री एम. एस. कुमार स्वामी ने योगदान दिया। गणित सहायक शिक्षक (टीए) श्री डी. श्रीनिवासुलु ने निदेशक के निर्देशानुसार कार्यशाला का समन्वयन किया।

इस कार्यशाला में बेंगलुरु, हैदराबाद, एर्नाकुलम और चेन्नई क्षेत्रों के चार फीडर क्षेत्रों से कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने छात्रों की दक्षताओं का आकलन करने के लिए डिज़ाइन किए गए नमूना टेस्ट आइटम्स प्रस्तुत किए। उन्होंने कक्षा 7 से 10 के लिए तैयार किए गए दक्षता आधारित टेस्ट आइटम्स पर चर्चा की, जिनका ध्यान सीखने के परिणामों और वास्तविक जीवन में उनके अनुप्रयोगों के साथ संरेखित करने पर था। सत्र ने शिक्षकों को विचारों का आदान-प्रदान करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने और दक्षता आधारित मूल्यांकन के प्रति अपने दृष्टिकोण को सामूहिक रूप से सुदृढ़ करने का एक समृद्ध अवसर प्रदान किया।

अर्थशास्त्र में योग्यता आधारित शिक्षा और परीक्षण वस्तुओं की तैयारी

संस्थान मैसूर द्वारा अपने चार फीडर क्षेत्रों के 31 पीजीटी-अर्थशास्त्र के लिए 22 से 24 अक्टूबर 2024 तक "कक्षा XI और XII के लिए अर्थशास्त्र में योग्यता आधारित शिक्षा और परीक्षण वस्तुओं की तैयारी" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ विचार-विमर्श किया और अपनी विशेषज्ञता साझा की। छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिभागियों द्वारा "योग्यता-आधारित परीक्षण आइटम" पर एक पुस्तिका तैयार की गई।

CBA in SCIENCE 03.10.2024

A half-day reflective session was conducted to gather feedback and ensure the effective implementation of the workshop on competency-based assessment: Design of Test Items. Thirty participants from the four feeder regions attended the session. Each participant presented their reflections on how the learning from the workshop enhanced their teaching styles and assessment techniques. The Director, Madam, also enlightened us with her ideas and guidelines on implementing the vision and mission outlined in NEP 2020 in our classroom transactions.

Competency-Based Assessment in Physics: Design of Test Items

A half-day reflective session was conducted to gather feedback and ensure the effective implementation of the workshop on **Competency-Based Assessment in Physics: Design of Test Items.** Twenty-five participants from the four feeder regions attended the session. Each participant shared their reflections on how the learning from the workshop enhanced their teaching styles and assessment techniques. The Director, Madam, also shared her insights and guidelines on implementing the vision and mission outlined in NEP 2020 in classroom transactions.

REFLECTIVE SESSION PGT CHEM INDUCTION COURSE

A half-day reflective session was conducted to gather feedback and ensure the effective implementation of the 10-day induction course, conducted both offline and online, for newly recruited PGTs (Chemistry) through LDCE. Forty-five participants from sixteen regions attended the session. Each participant shared their reflections on how the learning from the workshop enhanced their teaching styles and assessment techniques. The Director, Madam, in her speech, highlighted key points on improving student performance.

21st Century Skill

A 3-day workshop on "21st Century Skill Development" was organized, in which 42 trained graduate teachers from various subjects of the Ernakulam region participated. The workshop aimed at capacity building, addressing complex problems in the current scenario, fostering life values, fulfilling duties with true dedication and sincerity, and effectively achieving the objectives of teaching and learning.

In the workshop, Ms. Meenakshi Jain, Director of the Regional Institute of Education, Mysuru, served as the Course Director and provided guidance. Mrs. V.K. Sudheena, Principal of KV Kayankulam, worked as the Co-Course Director and contributed to mentoring all participants. Additionally, Mrs. Jyoti V.N., PGT (English), and Mrs. Asha Devi, PGT (Geography), played significant roles as resource persons.

The workshop proved to be highly effective in enhancing the knowledge and skills of the teachers.

REPORT on A Five-Day Online Workshop on Innovative Pedagogical Strategies in Teaching and Assessment of English as per NEP 2020 and NCF-SE for TGT(Eng)

A Five-day online workshop on Innovative Pedagogical Strategies in Teaching and Assessment of English as per NEP 2020 and NCF-SE for TGT(Eng) was conducted by ZIET Mysore from 18.11.2024 to 22.11.2024. A total of 32 participants from four Feeder Regions attended the course. As envisaged in NEP 2020, the vital areas of training namely NEP 2020 & NCF, Experiential learning for joyful learning in accordance with NEP 2020, Competency Based Lesson Planning, Collaborative Learning Strategies, Language Games to achieve Learning Outcomes, Integration of ICT in language classroom, Guidelines for framing CCT questions and MCQs were given equal importance with a view to developing the professional excellence of teachers of English.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, Mr. Madhusoodhanan N. Vice Principal, PM SHRI KV No.2, Naval Base Kochi, Ernakulam Region as Associate Course Director, Mr. M. Rajendran Training Associate (Eng.) ZIET Mysore as Course Co-ordinator and Ms. Usha M. K TGT(Eng), PM SHRI KV Malappuram, Ernakulam Region and Ms. Jabeen Abbas Ali Fazil, TGT(Eng), PM SHRI Bolarum, Hyderabad Region as Resource persons created an enriching learning experience.

Report on A Three-day online workshop on 'Competency Based Curriculum Transaction In Accordance with NEP 2020 with Test Items (CBT/CBE/ CBA'for PGT(ENG)

A Three-day online workshop on 'Competency Based Curriculum Transaction in accordance with NEP 2020 with Test Items (CBT/CBE/ CBA'for PGT(ENG) was conducted by ZIET Mysore from 20.08.2024 to 22.08.2024. A total of 32 participants from four Feeder Regions attended the course. As envisaged in NEP 2020, the vital areas of training namely Principles of CBE enshrined in NEP 2020, CB Lesson Planning, Assessment Techniques for Secondary Classes in accordance with NEP 2020/CBA Test items, Designing Competency Based tasks for Language classroom and Learning Outcomes, Integration of ICT in Language Learning and Competency Based Teaching (vs) Traditional Methods.

Ms. Meenakshi Jain, Director, ZIET Mysore, Mr. Viswanathan K. Vice Principal, PM SHRI KV Ottapalam, Ernakulam Region as Associate Course Director, Mr. M. Rajendran Training Associate (Eng.) ZIET Mysore as Course Co-ordinator and Ms. Elizabeth K Philip PGT(Eng), PM SHRI KV Hebbal, Bangalore Region and Ms. Geetanjali Kumar PGT(Eng), PM SHRI KV No.1 Calicut, Ernakulam Region as Resource persons made the course possible.

Reflective Session on the Three-day online workshop on 'Competency Based Curriculum Transaction In Accordance with NEP 2020 with Test Items (CBT/CBE/ CBA'for PGT(ENG)

A Reflective session on the Three-day online workshop on 'Competency Based Curriculum Transaction in accordance with NEP 2020 with Test Items (CBT/CBE/ CBA'for PGT(ENG) was conducted by ZIET Mysore on 12.11.2024. A total of 32 participants from four Feeder Regions attended the session.

The teacher-participants shared their key take always and their learning experiences and discussed how they applied adopting various methods and techniques based on what they had learnt during the training.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore provided the teachers with guidance on how to reflect effectively. Mr. Viswanathan K. Vice Principal, PM SHRI KV Ottapalam, Ernakulam Region as Associate Course Director, Mr. M. Rajendran Training Associate (Eng.) ZIET Mysore

as Course Co-ordinator and Ms. Geetanjali Kumar PGT(Eng), PM SHRI KV No.1 Calicut, Ernakulam Region as Resource person were also present sharing their comments in the session.

REFLECTIVE SESSION ON 21ST-CENTURY SKILLS FOR THE CHENNAI REGION

An online reflective session on 21st-century skills for TGTs of the Chennai region was conducted on 4th October 2024. The course commenced at 9:15 a.m. and concluded at 1:00 p.m., with a total of 172 teachers from across the Chennai region. During the program, 12 teacher presenters shared their reflections on 21st-century skills.

The session was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, and Mr. Lakshmi Narayan, Principal and Associate Course Director, PM Shri Kendriya Vidyalaya, Virudhunagar. Resource persons Mrs. Jyoti, PGT English, and Mr. Jineesh Sebastian, PGT English, also attended the session. Their valuable insights and expertise added depth to the discussions, making the reflective session highly impactful and well-received by the participants. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

ONLINE WORKSHOP FOR THE PRINCIPALS AND VICE PRINCIPALS OF THE BENGALURU REGION

A half-day online workshop was conducted for the Principals and Vice Principals of the Bengaluru region on 10th October 2024, from 9:15 a.m. to 1:00 p.m. A total of 47 officers attended the program.

The workshop featured two insightful sessions: Understanding 21st Century Skills in Education, presented by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography), and Transforming Kendriya Vidyalayas through 21st Century Skills and Modern Teaching Practices, delivered by Mrs. Hema K., Assistant Commissioner, KVS Regional Office, Bengaluru.

The course was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore. All officers actively interacted with the speakers, making the session highly engaging and impactful. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

ONLINE WORKSHOP FOR THE PRINCIPALS AND VICE PRINCIPALS OF THE ERNAKULAM REGION

A half-day online workshop was conducted for the Principals and Vice Principals of the Ernakulam region on 29th October 2024, from 2:00 p.m. to 5:30 p.m. A total of 40 officers attended the program.

The workshop featured two insightful sessions: Understanding 21st Century Skills in Education, presented by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography), and Transforming Kendriya Vidyalayas through 21st Century Skills and Modern Teaching Practices, delivered by Mr. R.A. Patil, Assistant Commissioner, KVS Regional Office, Ernakulam.

The course was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore. Her presence added immense value to the program and inspired all participants.

All officers actively interacted with the speakers throughout the session. Their enthusiastic participation and insightful queries made the workshop highly engaging and impactful. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

ONLINE WORKSHOP FOR THE PRINCIPALS AND VICE PRINCIPALS OF THE HYDERABAD REGION

A half-day online workshop was conducted for the Principals and Vice Principals of the Hyderabad region on 5th November 2024, from 2:00 p.m. to 5:30 p.m. A total of 73 officers participated in the program.

The workshop featured two insightful sessions: Understanding 21st Century Skills in Education, presented by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography), and Transforming Kendriya Vidyalayas through 21st Century Skills and Modern Teaching Practices, delivered by Ms. Krishnaveni, Assistant Commissioner, KVS Regional Office, Hyderabad.

The course was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore. Her presence brought immense value to the program and inspired all participants.

All officers actively interacted with the speakers throughout the session. Their enthusiastic participation and thought-provoking queries made the workshop highly engaging and

impactful. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

ONLINE WORKSHOP FOR THE PRINCIPALS AND VICE PRINCIPALS OF THE CHENNAI REGION

A half-day online workshop was conducted for the Principals and Vice Principals of the Hyderabad region on 6th November 2024, from 2:00 p.m. to 5:30 p.m. A total of 50 officers participated in the program.

The workshop featured two insightful sessions: Understanding 21st Century Skills in Education, presented by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography), and Transforming Kendriya Vidyalayas through 21st Century Skills and Modern Teaching Practices, delivered by Ms. Mini Mullath, Assistant Commissioner, KVS Regional Office, Chennai.

The course was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore. Her presence added immense value to the program and served as a source of inspiration for all participants.

All officers actively interacted with the speakers throughout the session. Their enthusiastic participation and thought-provoking queries made the workshop highly engaging and impactful. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

21ST CENTURY SKILLS WORKSHOP OF THE ERNAKULAM REGION

A three-day online workshop on 21st-century skills was conducted for the third batch of TGTs from the Ernakulam region, from 19th November 2024 to 21st November 2024. A total of 45 teachers attended the workshop, where they were introduced to crucial skills such as learning skills, literary skills, and life skills.

The workshop was led by Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, as the Course Director, with Ms. V.K. Sudheena, Principal, KV NTPC Kayamkulam, serving as the Associate Course Director. The resource persons for the workshop were Ms. Jyoti, PGT English, KV Adoor, and Ms. Asha Devi, PGT English, KV Pattom.

All sessions were enriching and informative, with valuable insights shared by the RPs, the guest speakers and internal speakers. The teachers found the content both relevant and impactful, enhancing their understanding of key skills needed for modern education. The

course was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

REFLECTIVE SESSION ON 21ST-CENTURY SKILLS FOR THE HYDERABAD REGION

A half-day reflective session on 21st-century skills for the Master Trainers of the Hyderabad region was conducted on 28th November 2024, from 9:15 a.m. to 1:00 p.m. The reflection was effectively presented by 18 teacher presenters, who shared their insights in a highly engaging manner. A total of 176 teachers actively participated in the workshop. Each teacher presenter brought relevant materials collected from their respective Vidyalayas, making the session more meaningful and practical.

The session was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore. Mr. Hariprasad N, Principal, KV NFC Nagar, Hyderabad, and Associate Course Director, along with the resource persons Mrs. Padmaja Ratnakar, PGT English, and Mrs. Shesha Prasad, Vice Principal, also attended and contributed to the session

The active participation of the attendees and the valuable contributions from the presenters made the session highly impactful and reflective of the goals of 21st-century skills training. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

REFLECTIVE SESSION ON 21ST-CENTURY SKILLS FOR THE BENGALURU REGION

A half-day reflective session on 21st-century skills for the Master Trainers of the Bengaluru region was conducted on 12th December 2024, from 9:15 a.m. to 1:00 p.m. The reflection was effectively presented by 12 teacher presenters, who shared their insights in an engaging and impactful manner. A total of 169 teachers actively participated in the workshop. Each teacher presenter brought relevant materials collected from their respective Vidyalaya's, enhancing the practical and meaningful nature of the session.

The session was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore. Dr. Rubina Principal, KV CRPF Yelahanka, and Associate Course Director, along with the resourceful resource persons Mrs. Elizabeth P PGT (English), and Mrs. Bina Mathew PGT (English), also attended and contributed to the session.

The active participation of the attendees and the valuable contributions from the presenters made the session highly impactful and aligned with the goals of 21st-century

skills training. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

REFLECTIVE SESSION FOR PGTs (GEOGRAPHY)

A half-day reflective session on innovative pedagogical strategies in teaching Geography with CBT (Competency Based Test) items for PGTs in Geography, was conducted on 22nd December 2024. A total of 21 teachers attended the session with enthusiasm and eagerness. Each of the 21 teachers presented their reflective practices implemented in their classroom teaching, making the session highly engaging and productive.

The session was graced by the presence of Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, who shared her valuable insights through the keynote address. Additionally, Mr. Suresh J. Babu, Principal, KV No. 2 Trichy, and Associate Course Director, along with resource persons Mrs. Suguna Rajeshwari, PGT (Geography), and Ms. Asha Devi, PGT (Geography), also attended and contributed their expertise to the presentations.

The active participation and expert contributions made the session both insightful and impactful, fostering a deeper understanding of innovative pedagogical strategies in Geography teaching. The session was conducted and coordinated by Mr. P. Selvamani, Training Associate (Geography)

REPORT ON HALF-DAY ONLINE REFLECTIVE SESSION ON INDUCTION TRAINING AND CONTENT ENRICHMENT & PEDAGOGICAL TRAINING OF NEWLY RECRUITED VICE- PRINCIPALS

A half-day online reflective session on induction training and content enrichment & pedagogical training of newly recruited vice- principals was conducted at ZIET Mysuru on 05.12.2024 to garner feedback on its effective implementation in Vidyalaya activities by the participants. Ms. Menaxi Jain, Course Director explains the main objectives of conducting the reflective session. Mrs. Rubina M. R., Principal of KV CRPF Yelahanka, Bengaluru, acted as the Associate Course Director, and Mr. Vishwanathan K., Vice-Principal of KV Ottapalam, Ernakulam Region, and Mr. Alex Jose, Vice-Principal of Peroorkada, Ernakulam Region, acted as Resource Persons. Mr. D. Sreenivasulu, TA (Mathematics), coordinated the reflective session as per the instructions given by the Director. A total of 41 out of 44 participants from

six regions (Bengaluru, Hyderabad, Ernakulam, Chennai, Dehradun, and Varanasi) attended the workshop.

Vice-Principals presented their experiences in implementing the strategies and activities introduced during the induction course. Additionally, the participants were discussed their action research projects to enhance the effectiveness of school leadership.

The session provided to reflect on their roles and share valuable insights into the practical application of their learning. It reinforced the importance of collaborative leadership and continuous professional development to address the dynamic needs of Vidyalaya.

REPORT ON HALF-DAY ONLINE REFLECTIVE SESSION ON “INDUCTION COURSE OF PGT(MATHS)-LDCE 2024”

Date: 03.12.2024

A half-day online reflective session on “Induction course for PGT (Maths) LDCE 2024” was conducted by ZIET Mysore on 03.12.2024. Ms. Menaxi Jain, Course Director explains the main objectives of conducting the reflective session. Mr. K. P. Sudhakaran, Principal, PM SHRI KV No. 1 CPCRI, Kasaragod, Ernakulam Region, acted as the Associate Course Director, and Mr. M. Srinivasan, PGT (Maths), PM SHRI KV Ashok Nagar, Chennai Region, along with Mr. Jaseer K. P., PGT (Maths), PM SHRI KV No. 2 Mangalore, Bengaluru Region, were acted as Resource Persons. Mr. D. Sreenivasulu, TA (Mathematics), coordinated the reflective session as per the instructions given by the Director. A total of 49 out of 59 participants from the Bengaluru, Chennai, Ernakulam, Hyderabad, Ahmedabad, Mumbai, Jaipur, Patna, and Raipur Regions attended the workshop.

The session focused on reviewing and analysing the pre-board question papers, identifying question-wise difficulty levels, and devising a remedial plan to support students requiring additional assistance

REFLECTIVE SESSION ON
COMPETENCY BASED ASSESSMENT IN MATHEMATICS: DESIGN THE TEST ITEMS

Date: 01.10.2024

A half-day online reflective session on "Competency-Based Assessment in Mathematics: Design of Test Items" was conducted by ZIET Mysore on 01.10.2024. Ms. Menaxi Jain, Course Director explains the main objectives of conducting the reflective session. Mr. Siby Sebastian, Principal, PM SHRI KV, INS Dronacharya, Ernakulam Region, acted as Associate Course Director, and Mrs. P.S. Kavitha, TGT (Maths), K.V. DRDO, Bengaluru Region, along with Mr. M. S. Kumar Swamy, TGT (Maths), K.V. Gachibowli, Hyderabad Region, acted as Resource Persons. Mr. D. Sreenivasulu, TA (Maths), coordinated the workshop as per the instructions given by the Director. A total of 32 participants from four feeder regions (Bengaluru, Hyderabad, Ernakulam, and Chennai) attended the workshop.

Participants presented sample test items designed to assess students' competencies rather than rote knowledge. They shared and discussed competency-based test items designed for classes 7 to 10, focusing their alignment with learning outcomes and real-life applications. The session provided an enriching opportunity for teachers to exchange ideas, understand best practices, and collectively enhance their approach to competency-based assessment.

CBL in Economics with designing of test items for classes XI & XII

A three-day online workshop was conducted by ZIET Mysore on "Competency Based Learning in Economics with designing of test items for classes XI & XII" from 22nd to 24th October 2024 for 31 PGT-Economics of its four feeder regions. Experts from Azim Premji University deliberated with the participants and shared their expertise. A Booklet on "Competency-Based Test items" was meticulously crafted by the participants to meet diverse student needs.